Topic- अध्यापक शिक्षा क्षेत्र में अनुसंधान Page (2) of

अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को चार वर्गों

By- Dr. Shyam Bihari Choudhary
(MMH C&S PU)

(i) प्रवेश की कसौटी (Admission criteria)
(ii) शिक्षण प्रभावशीलता Teaching effective
} इन दोनों की चर्चा पीछे के पृष्ठों में उद्धृत है

(iii) अध्यापक व्यवहार का सुधार Modification of Teacher Behav
(iv) विद्यालयी प्रभावशीलता School Effectiveness

Note :- प्रवेश की कसौटी एवं शिक्षण प्रभावशीलता पूर्व के पृष्ठों में वर्णित है यहाँ शेष केवल दो का वर्णन हो रहा है

(iii) अध्यापक व्यवहार का सुधार-

प्राचीन काल में शिक्षण करने के कौशल, योग्यता व सामर्थ्य को जन्मजात व ईश्वर प्रदत्त माना जाता था, परन्तु वर्तमान में यह धारणा पूर्ण रूपेण बदल गयी है एवं अब माना जाता है कि शिक्षण करने के कौशल योग्यता व सामर्थ्य को प्रयासों के द्वारा भी अर्जित किया जा सकता है। परिणामतः शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक शिक्षा, अध्यापक शिक्षण, व अध्यापक प्रशिक्षण जैसे शब्द बहुतायत से प्रचलन में आने लगे हैं। निःसंदेह शिक्षण से तात्पर्य कक्षा में अध्यापक के द्वारा किये जाने वाले विभिन्न क्रियाकलापों की श्रृंखला से है जिन्हें वह अपने छात्रों के व्यवहार का मार्जन करने एवं ज्ञान, बोध, कौशल आदि अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु नियोजित ढंग से सम्पादन करते हैं। शिक्षण के अधिगम मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप अब सक्रिय प्रयासों की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इसके फलस्वरूप अध्यापकों के व्यवहार परिमार्जन की प्रविधियों के रूप में अनुकरण, अनुरूपण, कार्यक्रमित अनुदेशन, शिक्षण प्रतिमान, शिक्षण यंत्र सूक्ष्म शिक्षण, फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण आदि प्रविधियों का प्रतिपादन किया जा चुका है। परन्तु इसके बावजूद भी अध्यापक व्यवहार में सुधार लाने हेतु अनुसंधान कार्यों की अभी भी सख्त जरूरत है जिससे शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सके

Scanned with CamScanner